संपादकीय

जुड़ती-खुलती गांठें

चुनावी वेला में कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि कौन-सा दल किस गठबंधन से निकला और किस में शामिल हुआ। सतारूढ़ राजग से दूरी ?बना कांग्रेस के नेतृत्व में बन रहे नये गठबंधन में शामिल होना अप्रत्याशित नहीं है। साढ़े चार साल तक राजग सरकार में मंत्री रहे राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को गठबंधन में शामिल होते वक्त कहना पड़ा कि राजग में उनका अपमान हो रहा था। नि:संदेह तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में कामयाबी के बाद कांग्रेस को वह जमीन हासिल हो गई है कि वह भाजपा के मुकाबले दूसरी बड़ी पार्टी होने का दम भरे। कहना कठिन है कि बिहार में कुशवाहा के साथ उनके विधायक न आने के बाद उनकी कितनी जमीन बिहार में शेष है। जाहिर है कि राजग के बड़े घटक समता पार्टी के गठबंधन में रहते हुए कुशवाहा को वैसी तरजीह नहीं मिल सकती थी, जैसी वे चाहते थे। बहरहाल, हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद लोक जनशक्ति पार्टी के भी तेवर बदले हुए हैं। बताते हैं कि आम चुनाव में सीटों के बंटवारे के चलते उसके तेवर तल्ख हुए हैं। वैसे भी पासवान बदलती हवा के साथ पाला बदलने में माहिर हैं।

निश्चित रूप से सत्तारूढ़ राजग के सामने गठबंधन के नजरिये से बड़ी चुनौती है। टीडीपी अलग हो चुकी है। कई क्षेत्रीय दलों में अकुलाहट देखी जा सकती है। शिव सेना लगातार तल्खी दिखाते हुए मोदी सरकार के खिलाफ हमलावर रही है। मोदी के हालिया मुंबई दौरे में विकास कार्य मों के आयोजनों से शिव सेना की दूरी के निहितार्थ?समझे जा सकते हैं। कहना कठिन है कि भाजपा की सबसे पुराने सहयोगी शिवसेना भाजपा के साथ कितनी दूर तक साथ चलेगी। नि:संदेह सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले राजग में उथल-पुथल ज्यादा है। मगर ऐसा भी नहीं है कि विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद सभी विपक्षी दलों ने राहुल गांधी को भावी प्रधानमंत्री के रूप में स्वीकार कर लिया हो। वाम दलों व ममता बनर्जी का भी ऐसा ही रुख है। गहलोत सरकार के शपथ ग्रहण समारोह से दूरी बनाकर सपा-बसपा ने इसके संकेत दे दिये हैं। वहीं उ.प्र. में दोनों के मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ने की खबरों ने भी निष्कर्ष दे दिया है कि साझे विपक्ष की राह इतनी भी आसान नहीं है। कुछ राज्यों में जहां क्षेत्रीय दल मजबूत स्थिति में हैं, वे कांग्रेस का नेतृत्व स्वीकारने को तैयार नहीं हैं, जिससे मोदी के खिलाफ राष्ट्रव्यापी विपक्ष की संभावना कमजोर पड़ती नजर आ रही है।

मुकेश अंबानी की संपत्ति 4 अरब डॉलर बढ़ी

तो 128 धनकुबेरों को जोरदार झटका

नई दिल्ली (आरएनएस)। साल 2018 में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत के अरबपति मुकेश अंबानी अलीबाबा ग्रुप के फाउंडर जैक मा को पछाड़कर एशिया के सबसे अमीर शख्स होने का तमगा अपने नाम कर लिया। इस साल खास बात यह रही है कि एक तरफ जहां एशिया के 128 सबसे अमीर लोगों की संपत्ति में गिरावट देखी गई, वहीं मुकेश अंबानी की संपत्ति में चार अरब डॉलर का इजाफा दर्ज किया गया।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया की सबसे तेजी से विकास करने वाली एशियाई अर्थव्यवस्था में कुल 128 अरबपतियों को 2018 में जोरदार झटका लगा। इस साल शेयर बाजार में हुए भारी उतार-चढ़ाव से इन्हें कुल मिलाकर 137 अरब डॉलर का नुकसान हुआ।

वैश्विक व्यापार तनाव और इससे पैदा हुई चिंता से एशिया के कुछ सबसे बड़े अरबपतियों को बड़ी चपत लगी। ब्लूमबर्ग द्वारा साल 2012 में रैंकिंग की शुरुआत किए जाने के बाद पहली बार इन अरबपतियों की संपत्ति में गिरावट देखी गई है। ब्लूमबर्ग की अरबपतियों की रैंकिंग में शामिल 40 चीनी अरबपतियों में से दो तिहाई से अधिक की संपत्ति में गिरावट देखी गई।

वांडा ग्रुप के वांग जियानलिन को 10.8 अरब डॉलर का नुकसान हुआ, जो एशिया में किसी अरबपति को हुए नुकसान की तुलना सबसे अधिक है। जेडी डॉट कॉम के फाउंडर रिचर्ड लियू को 4.8 अरब डॉलर का नुकसान हुआ।

टेंटः मानव की मौजूदगी से पीएसपीबी खिताब की दावेदार

सोनीपत ,25 दिसंबर (आरएनएस)। मानव ठक्कर के रहते उनकी टीम पीएसपीबी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे 80वें जूनियर एंड यूथ नेशनल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। मानव की मौजूदगी ही पेट्रोलियम स्पोटर्स प्रोमोशन बोर्ड (पीएसपीबी) को प्रबल दावेदार नहीं बनाती है। उसके पास जीत चंद्रा, पार्थ विरमानी, सिद्देश पांडे जैसे खिलाड़ी भी है। मानव ने बीते सीजन में जूनियर और यूथ वर्ग दोनों में टीम को खिताब दिलाने में मदद की थी। इस साल हालांकि वह सिर्फ यूथ वर्ग में ही खेल सकेंगे। इससे बेशक पीएसपीबी के जूनियर खिताब के जीतने के अभियान को बड़ा झटका लगेगा। जूनियर में टीम के पास अनुक्राम जैन, समीर पांडे, सत्यमगिरी गुप्ता और आदित्य जैन जैसे खिलाड़ी हैं। पीएसपीबी की यूथ गर्ल्स टीम को अर्चना गिरिश कामथ की कमी अखरेगी क्योंकि चोट के कारण उन्होंने आखिरी पलों में अपना नाम वापस ले लिया है।

चीन में 50 शाखाएं खोलने की तैयारी में 'चीन-भारत योग कॉलेज'

बीजिंग (आरएनएस)। भारत की मानसिक तथा आध्यात्मिक रूप में स्वस्थ जीवन जीने की प्राचीन कला 'योग' की चीन में बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए युन्नान प्रांत स्थित पहले योग कॉलेज ने देश में 50 शाखाएं खोलने की योजना बनाई है। सरकारी मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे के बाद वर्ष 2015 में कुनमिंग की 'युन्नान मिन्जू यूनिवर्सिटी' में पहला 'चीन-भारत योग कॉलेज' स्थापित किया गया था। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार युन्नान विश्वविद्यालय में शनिवार को उनकी पहली शाखा लिजिआंग में खोलने की घोषणा की गई थी। बढ़ती मांग पर गौर करते हुए 'चीन-भारत योग कॉलेज' ने इसे विभिन्न शहरों तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। एजेंसी ने चीन-भारत योग कॉलेज के डीन चेन लुयान के हवाले से कहा, ''योग शिक्षा और शिक्षक प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए कुल 50 शाखाएं खोलीं जाएंगी।'' इस साल 21 जून को संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में भारत के बाद सबसे अधिक चीनी नागरिकों ने ही हिस्सा लिया था।

घटने वाला है आपका बिजली बिल

नई दिल्ली(आरएनएस)। केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2022 तक देश में बिजली के सभी मीटर प्रीपेड करने का निर्णय किया है। बिजली मंत्रालय ने आज बताया कि सरकार ने तीन साल में सभी घरों में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने का निर्णय किया है। तीन साल की अवधि 1 अप्रैल 2019 से शुरू होगी। आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस कदम से बिजली का तकनीकी तथा वाणिज्यिक नुकसान कम करने में मदद मिलेगी और इस प्रकार यह बिजली क्षेत्र के लिए क्रांतिकारी कदम होगा। इससे बिजली वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिति में सुधार होगा तथा ऊर्जा बचत और बिजली बिल का भुगतान बढ़ाने में मदद मिलेगी।

साथ ही घर पर बिल भेजने की परंपरा भी समाप्त हो जाएगी। मंत्रालय ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगाने की योजना गरीबों के हित में है क्योंकि उसे एक साथ पूरे महीने का बिल भरने की जरूरत नहीं होगी। इसकी बजाय वे अपनी जरूरत के हिसाब से भुगतान कर सकेंगे। उसका कहना है कि स्मार्ट प्रीपेड मीटरों के विनिर्माण से युवाओं को रोजगार भी मिलेगा।

पीबीएल : वॉरियर्स ने पुणे को दी 4-3 से हराया

मुंबई(आरएनएस)। बैडमिंटन प्रीमियर लीग (पीबीएल) के चौथे सीजन से लीग में पदार्पण कर रही पुणे 7 एसेस दूसरे मैच में भी काफी मशक्कत के बाद जीत हासिल नहीं कर सकी। सोमवार को नेशनल स्पोटर्स क्लब में खेले गए मैच में अवध वॉरियर्स ने कैरोलिना मारिन की कप्तानी वाली पुणे को बेहद रोमांचक मुकाबले में 4-3 से मात दे जीत हासिल की। एक समय पुणे अपने शुरुआती दोनों मैच हार 0-3 से पीछे थी, लेकिन मारिन और भारत के युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने अपने-अपने मुकाबले जीत स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया, हालांकि मुकाबले का आखिरी मैच वॉरियर्स ने जीता और मारिन की टीम पहली हार से वंचित रह गई। वॉरियर्स की तरफ से पहला मैच खेलने उतरे दक्षिण कोरिया के सान वान हो ने पुणे के ब्राइस लेवेरडोज को पुरुष एकल वर्ग के मैच में सीधे गेमों में 15-14, 15-7 से मात देते हुए अपनी टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी।

यह वॉरियर्स का ट्रम्प मैच था। गौरतलब है कि पीबीएल में हर टीम एक खिलाड़ी को अपना ट्रम्प खिलाड़ी चुनती है। वह खिलाड़ी मैच जीतता है जो उससे दोगुने अंक यानी दो अंक मिलते हैं और अगर हार जाता है एक अंक का नुकसान टीम को उठाना पड़ता है। अगला मैच पुरुष युगल का था जहां वॉरियर्स की तरफ से माथियास क्रिस्टियोनसेन और यांग ली कोर्ट पर थे। इन दोनों ने पुणे के माथियास बोए और व्लादिमीर इवानोव को 15-12 और 15-14 से हरा दिया।

आरबीआई की स्वायत्तता की रक्षा करके अपना धर्म निभाये नये गवर्नरः रंगराजन

मुंबई(आरएनएस)। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर सी रंगराजन ने सोमवार को नये गवर्नर शक्तिकांत दास को धर्म का पाठ पढ़ाते हुये कहा कि उन्हें अपने पूर्ववर्तियों की तरह आरबीआई की स्वायत्तता की रक्षा करनी चाहिये। उन्होंने कहा कि शक्तिकांत दास पहले नौकरशाह नहीं हैं जिन्हें आरबीआई का गवर्नर बनाया गया है।

दास को उन सभी मुद्दों पर सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिये, जिन पर दोनों के बीच मतभेद हैं।

आज का राशिफल

मेष: आज परिवार को समय देना बहुत जरूरी है। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

वृषभ: बहुत कोशिश के बावजूद आप अपने कामकाज को सही तरीके से प्रस्तुत नहीं कर पा रहे हैं।

मिथुन: आज का दिन आपको किसी पिछली घटना को बार-बार याद दिलाकर उत्साह में कमी ला सकता है।

कर्क: यदि आप आजीविका की दिशा में कोशिश कर रहे हैं तो आपको आज अनुशासन की बात स्वीकार करनी होगी।

सिंह: इस वक्त आप अपनी जमा पूंजी और बैंक बैलेंस के चक्कर में अधिक रहेंगे। जोखिम भरे कामों से धन कमाना चाहते हैं तो यह उम्मीद आपको आगे चलकर बहुत अच्छा परिणाम नहीं देगी।

कन्या: आपकी सोच और विचार शक्ति कुछ भौतिकतावादी हो रही है। घर के अंदर जो सामान बेकार पड़ा है।

तुला: आज आपको अपनी जरूरत पूरी करने के लिए नियमित आमदनी का भी ख्याल रखना होगा।

वृश्चिक: अपने आपको सफल बनाने के लिए आपको मजबूत इरादे और मेहनत के साथ कोई ऐसी राह भी बनानी होगी जो कि असल जिंदगी से नजदीक हो।

धनु: पिछले दिनों में आपने जो काम का बोझ अपने सिर पर लिया था, वह आज कुछ कम हो सकता है।

मकर: आज आप अपने रुके हुए काम को पूरा करने के लिए कुछ ऐसे कदम उठाएंगे जो कि अप्रत्याशित होंगे।

कुंभ: आज आप अपने कार्यक्षेत्र में छवि सुधारने का प्रयास करेंगे। वैसे तो आप मेहनत करने में पीछे नहीं हटते लेकिन कभी-कभी कुछ ऐसी गलतियां भी आप कर जाते हैं।

मीन: इस समय आपकी बौद्धिक और शारीरिक ऊर्जा शिखर पर है। यही नहीं आपने सफलता प्राप्त करने के लिए सही मार्ग का चुनाव भी कर रखा है।

सरलता जोड़ना सिखाती है, भगवान को भी सरल जन ही हैं प्रिय

महर्षि रमण के पास बैठे अनेक भक्त, साधक उनकी मंद और स्निग्ध मुस्कराहट का पान कर रहे थे। महर्षि घुटने में दर्द रहने के कारण पैर मोड़कर नहीं बैठ पाते थे। इसी प्रकार का कोई रोग एक विदेशी महिला को भी था, वह भी पैर फैलाए हुए बैठी थी। महिला के पास आश्रम का एक प्रबंधक आया और उसने महिला से कहा कि इस तरह पैर फैलाकर बैठना महर्षि का अपमान है, इसलिए आप घुटने मोड़कर बैठें। पीड़ा के बावजूद महिला ने घुटने मोड़कर बैठने की कोशिश की, परंतु उसे बहुत तकलीफ होने लगी। महर्षि की सूक्ष्म दृष्टि से भला क्या छिपता। उन्होंने किसी से कुछ नहीं कहा और अपने घुटने में पीड़ा होने के बावजूद घुटने मोड़कर बैठने लगे। यह देख उनके शिष्य दौड़ कर आए, बोले महर्षि यह क्या कर रहे हैं? उन्होंने स्निग्ध मुस्कराहट के साथ उस महिला की ओर संकेत करते हुए इतना ही कहा, 'वहां मां भी तो दर्द से परेशान

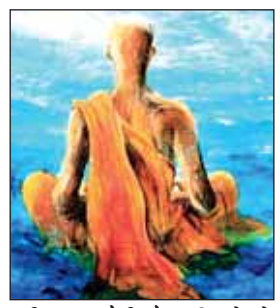

इसी तरह बैठी हैं।' शिष्यों ने तुरंत भूल सुधारी। उक्त विदेशी महिला से सुविधापूर्वक पैर फैलाकर बैठने की प्रार्थना की और जब महर्षि ने देखा कि महिला आराम से बैठ गई है, तब वह भी उसी तरह पैर फैलाकर बैठ गए।

महर्षि के सरल स्वभाव से उनके भक्त अच्छी तरह परिचित थे। सरलता का अर्थ है, अन्दर-बाहर से एक रस दिखना। सरलता का विपरीत अर्थ है टेढ़ापन। जो एकरस नहीं है, अंदर-बाहर से समान नहीं है, जिसके मन, वचन और कर्म में समता नहीं है, वह टेढ़ा है। सरलता सहज स्वभाव है, टेढ़ापन श्रमसाध्य है।

भारत आने के लिए नहीं कर सकता 41 घंटों की लंबी यात्रा

ईडी की याचिका पर चोकसी का जवाब

नई दिल्ली (आरएनएस)। भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने और उसकी संपत्तियों को जब्त करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने याचिका दायर की थी। इस पर चोकसी ने याचिका खारिज करने के लिए ईडी को 34 पन्नों का जवाब भेजा है। इसमें चोकसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत को बताया कि वह पंजाब नेशनल बैंक की बकाया राशि वापस करने के संबंध में बातचीत कर रहा है। गौर हो कि पंजाब नेशनल बैंक को अरबों रुपये का चूना लगाने वालों में नीरव मोदी के साथ-साथ हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी भी शामिल था। चोकसी के वकील संजय अबोट और राहुल अग्रवाल द्वारा विशेष जज एमएस आजमी की अदालत में जमा करवाया है। चोकसी ने ने यह भी दावा किया है कि अदालत को गुमराह करने के लिए इस पत्रव्यवहार को अदालत के सामने सही से पेश नहीं किया गया।

चॉकलेट पराठा रेसिपी

सामग्री :

चॉकलेट पेस्ट-1 कप, गेहूं का आटा- 3 कप, तेल- आवश्यकतानुसार, नमक- स्वादानुसार

विधि :

सबसे पहले एक बाउल में आटा, नमक और पानी मिलाकर नरम आटा गूंथ लें और आटे को दस से पंद्रह मिनट तक ढककर रख दें। इसके बाद आटे की लोइयां बनाकर इसकी दो रोटी बेल लें। बेली हुई एक रोटी पर चॉकलेट पेस्ट डालकर चारों तरफ से अच्छी तरह फैला दें। इसके बाद दूसरी रोटी इसके ऊपर रखकर किनारों को अच्छी तरह से दबा दें। मीडियम आंच पर तवा गर्म करें। जब तवा गर्म हो जाए तब इस पर थोड़ा-सा तेल लगाएं और भरे हुए पराठे को इसपर डालकर दोंनो साइड से हल्का गोल्डन होने तक सेंक लें और गर्मागर्म पराठों को सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-26

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

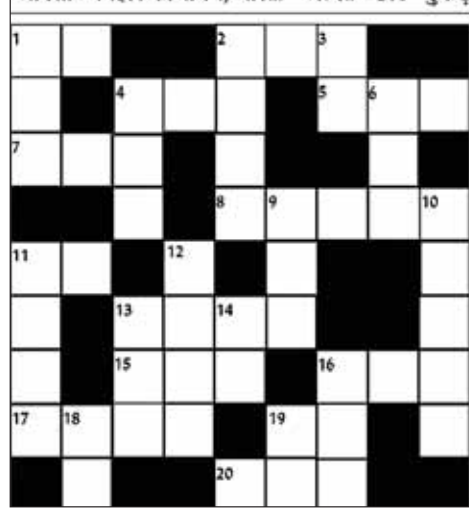

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 27 का हल

मै	दा	न	■	स	र	ग	म	■
त्री	■	सी	■	■	क्षा	■	धु	र्रा
■	सा	ह	स	■	■	■	र	■
स्वा	ग	त	■	स	म	झौ	ता	■
व	र	■	■	र	■	■	■	म
लं	■	वि	ला	स	■	■	दा	म
बी	न	■	ज	■	सा	मा	न	ता
■	ज	■	वा	हि	या	त	■	■
त	र	की	ब	■	ना	■	खा	ली

सू-दोकू-26

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.27 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1